43

दिनांक. 10. 11. 98

सेवामें,

रक्षा मंत्री महोदय,
भारतसरकार, नई दिल्ली ।

विषय : भारतीय सेना में भर्ती होने वाले युवकों की कमी का कुप्रचार

मान्यवर,

विगत दो वर्ष से देशभर में ऐसा प्रचार हो रहा है कि युवकों की सेना में भर्ती होने की आकांक्षा समाप्त या कम हो रही है अतः सेना में अनेक अधिकारी पद रिक्त हैं । मान्यवर, यह कहना युक्तिसंगत नहीं है कि भारत में युवक सेना में भर्ती होने में इच्छुक नहीं हैं ।

वस्तुस्थिति यह है कि कुछ बड़े, प्रतिष्ठित, शहरी तथा अंग्रेजी पढ़े-लिखे परिवारों के युवक अब प्रबंधकीय (एम. बी. ए.) पदों की ओर आकर्षित हो रहे हैं जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में तो आज भी लाखों उम्मीदवार देश की ही सेवा करना चाहते हैं । संभवतः भारतीय सेना में उच्च (अधिकारी) पदों पर इन ग्रामीण, भोले भाले तथा क्षेत्रीय या हिन्दी भाषी युवकों का स्थान नहीं है अन्यथा देश में कुप्रचार क्यों होता ? अक्टूबर 1998 में अलवर (राजस्थान) सेना भर्ती केन्द्र पर 20,000 युवकों ने सैनिक पद के लिए आवेदन किया था जहां अराजक स्थिति भी बनी थी । ऐसे में कैसे हम कैसे कह सकते हैं कि युवक सेना में नहीं जाना चाहते ? अतः सेना में अधिकारी पदों पर ग्रामीण, हिन्दी भाषी युवकों को सरल परीक्षा पद्धति द्वारा भर्ती किया जाना चाहिए । यदि अंग्रेजी तथा शहरी संस्कृति की आवश्यकता है तो यह प्रशिक्षण के दौरान सिखाया जा सकता है । आशा है आप इस कटु सत्य पर गौर करेंगे ।

सादर

भवनिष्ठ

S. Kataria

(डॉ. सुरेन्द्र कटारिया)
पोस्ट बॉक्स नं. 20, सीकर
(राज.)

प्रतिलिपि

1. एड्जुटेन्ट जनरल, रक्षा विभाग,
भारतसरकार ।

Scanned with OKEN Scanner